

## SWAक्षर

स्क्रीनराइटर्स एसोसिएशन का न्यूज़ लैटर

जनवरी 2019 | संस्करण 1

## एसडबल्यूए का 'मी टू' अभियान को समर्थन



नई एक्ज़ेक्यूटिव कमिटी ने अपनी पहली ही बैठक में एसडबल्यूए की इंटरनल कमिटी (आईसी) का गठन कर दिया था। इस कमिटी का मकसद ना सिर्फ यौन शोषण की शिकायतों का निवारण करना है, बल्कि लैंगिक और यौन झुकाव की समानता को बढ़ावा देते हुए सभी लेखकों के लिए सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल पैदा करना भी है।

'मी टू' अभियान की शुरुआत के साथ ही एसडबल्यूए की आईसी को कई शिकायतें प्राप्त हुईं और उन्हें तत्परता से लिया गया। जिन महिलाओं ने अपने अनुभव बयान किए हैं, उनके साथ एकजुटता का घोषणा-पत्र जारी किया गया

जिसमें कहा गया कि यौन शोषण और लैंगिक भेदभाव के मामलों में एसडबल्यूए 'ज़ीरो टॉलरेंस' नीति का पालन करता है।

आईसी, एसडबल्यूए के सदस्यों को यौन शोषण और लैंगिक भेदभाव के बारे में जागरूक करने के लिए नियमित रूप से वर्कशॉप्स करवाती रहेगी।

नोट: एसडबल्यूए की आईसी ने संबंधित शिकायतें पूरी गोपनीयता से प्राप्त करने के लिए विशेष ईमेल आइडी बनाया हुआ है -

[ic@swaindia.org](mailto:ic@swaindia.org)

## मानद महासचिव की डैस्क से

दोस्तों, एसडबल्यूए 1954 में स्थापित हुआ एक मज़बूत संगठन है, जिसकी नींव रामानंद सागर, ख्वाजा अहमद अब्बास, शैलेन्द्र, साहिर लुधियानवी, मजरूह सुल्तानपुरी और कमाल अमरोही जैसी अजीम शख्सियतों ने रखी थी। सक्रिय एवं सतर्क संगठन होने की वजह से आज यह संस्था और भी मज़बूत होती जा रही है। इसलिए एसडबल्यूए के बारे में गुमराह करने वाली किसी भी बेतुकी अफ़वाह पर भरोसा ना करें। अगर कोई आप से कहे कि एफ़डबल्यूआईसीई से अलग होने के बाद हमारे सदस्य फ़िल्म और टीवी इंडस्ट्री में काम नहीं कर सकते तो उनकी बात को सिरे से नकार दें। यह दावा बिल्कुल बेबुनियाद और शरारत भरा है क्योंकि क़ानूनन कोई भी व्यक्ति या संगठन किसी को भी इंडस्ट्री में काम करने से रोक नहीं सकता। अगर आपके मन में इस बारे में कोई सवाल या शंका हो तो हमें ईमेल करें या कार्यालय में आकर हमसे बात करें।

आपके साथ, आपके लिए, सदैव-  
एसडबल्यूए की एक्ज़ेक्यूटिव कमिटी की तरफ़ से

- सुनील सालिंग्या

## एसडबल्यूए इवेंट्स के चर्चे ही चर्चे

ईसी ने एसडबल्यूए की इवेंट्स सब-कमिटी को ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की ज़िम्मेदारी सौंपी है, जो इसके बाईस हज़ार से ज़्यादा सदस्यों के लिए फ़ायदेमंद हों। पिछले तीन महीनों के दौरान, कमिटी ने निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए हैं:

एसडबल्यूए-एमपीए-एपीएसए 'लॉच यौर स्क्रिप्ट' 2018

सम्मान-समारोह: एसडबल्यूए ऑफ़िस में 24 अक्टूबर 2018 को आयोजित किया गया। जिस में मुख्य मेहमान साइविन क्वाद्रस और स्वरा भास्कर रहें।

एसडबल्यूए वार्तालाप के पांचवें संस्करण में 3 नवंबर 2018 को लगभग ढाई सौ सदस्य उपस्थित रहें, जबकि मेहमान थे - श्रीराम राघवण, पूजा लाढा सूरती और अरिजीत बिस्वास। संचालक रहे, पारख चौहान।

पारोमिता वोहरा द्वारा लैंगिक मुद्दों पर जागरूकता फैलाने हेतु वर्कशाप 15 नवंबर 2018 को आयोजित की गई।



एसडबल्यूए वार्तालाप के छठे संस्करण में 300 सदस्य उपस्थित रहें। इस आयोजन के मेहमान अमिताभ भट्टाचार्य और संचालक शैली रहे।

एसडबल्यूए और लाडली द्वारा फिल्म इंडस्ट्री में 'मी टू' अभियान के बारे में 28 दिसंबर 2018 को एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें वक्ता रहे रेणु का शहाणे, विंता नंदा, ओनीर और करन अंशुमान। अगले आयोजनों की जानकारी के लिए अपने ईमेल और एसडबल्यूए के आधिकारिक फ़ेसबुक पेज व वैबसाइट पर नज़र रखें।



## मीडिया में गूँजी एसडबल्यूए की आवाज़

अक्टूबर 2018 से मीडिया सब-कमिटी ने सफलता से एसडबल्यूए से जुड़ी ख़बरों और घोषणाओं को द मुंबई मिरर, द इंडियन एक्सप्रेस और द हिंदू जैसे प्रमुख अख़बारों में जगह दिलवाई। लगभग प्रत्येक अख़बार के ऑनलाईन संस्करणों और वैब प्रोटलों ने एसडबल्यूए के बारे में लिखा, जबकि द इंडियन एक्सप्रेस ने एंटी-सैक्शुअल हरासमेंट कमिटी के बारे में विशेष फ़ीचर भी छापा। दिसंबर से एक पेशेवर पब्लिसिस्ट की सेवाएं ली जा रही हैं ताकि मीडिया के साथ बेहतर तालमेल हो सके और बेहतर कवरेज हो सके।

## 'मिनिमम बेसिक कॉन्ट्रैक्ट' कमिटी के बढ़ते कदम

एसडबल्यूए ने एमबीसी पर रज़ामंदी के लिए प्रॉडक्शन हाऊसों और स्टूडियोज़ के साथ सीधे तौर पर पहुंच बनाने का फैसला किया था। इस मामले में अगस्त 2018 में हुई 5वीं इंडियन स्क्रीनराइटर्स कॉन्फ़्रेंस के दौरान बात कुछ आगे बढ़ी। एक सेशन के दौरान जिसमें फिल्म एंड टीवी प्रोड्यूसर्स गिल्ड के प्रेसीडेंट सिद्धार्थ रॉय कपूर, आमिर खान और धर्मा प्रॉडक्शन्स के क्रिएटिव हैड सोमेन मिश्रा शामिल थे - तीनों ने लेखकों और गीतकारों के लिए मिनिमम बेसिक कॉन्ट्रैक्ट को पूरा समर्थन देने की एक साथ हामी भरी। एसडबल्यूए पहले ही फिल्म लेखकों के संशोधित एमबीसी का प्रस्तावित ड्राफ्ट फ़ाइनल करने में जुटी हुई थी और इस सिलसिले में आमिर खान, रितेश सिद्धवानी और उनके वकीलों के साथ बैठक भी कर चुकी थी।

जल्दी ही इसके बारे में श्री रॉय कपूर के साथ विचार-विमर्श करके इसे अंतिम रूप दिया जाएगा, जिस के बाद वह इसे गिल्ड के सामने रखेंगे और सिफ़ारिश करेंगे कि गिल्ड के सभी सदस्य प्रॉडक्शन हाऊस इसे अपना लें। अगर ज़रूरत पड़ी, तो एसडबल्यूए द्वारा विभिन्न प्रॉडक्शन हाऊसेस के साथ अलग-अलग बातचीत की जा सकती है। इसके बाद यह ड्राफ्ट आईएफटीपीसी, इम्पा और विम्पा के पास भी ले जाया जाएगा। इस के तुरंत बाद एसडबल्यूए टीवी और गीतकारों के एमबीसी के बारे में भी बातचीत की प्रक्रिया शुरू करेगी।





## एसडबल्यूए ऑफिस का नया ऑनलाईन अवतार जल्द

एसडबल्यूए की वैबसाइट, सदस्यों को किसी भी समय, कहीं से भी, अपने काम को रजिस्टर करवाने की विलक्षण सुविधा देने के लिए जानी जाती है। अनेक सदस्य और गैर-सदस्य जानकारी भरे आलेख, इंटरव्यू और आयोजनों की जानकारी के लिए भी नियमित रूप से वैबसाइट पर आते हैं।

अब, बदलते वक्त के साथ आपकी एसोसिएशन डिजिटल होने जा रही है। जल्द ही, आप एसडबल्यूए मेंबरशिप के लिए 'एप्लाइ ऑनलाईन', नई मेंबरशिप के लिए पे ऑनलाईन, एसडबल्यूए मेंबरशिप ई-कार्ड, एडवांसड ऑनलाईन स्क्रिप्ट रजिस्ट्रेशन सिस्टम, ऑटोमेटिक ईमेल/टेक्सट रिमाइंडर जैसे फ्रीचर देखेंगे। सदस्यों को जोड़ने और नेटवर्क बनाने के लिए बहुत ही खास एसडबल्यूए ऐप भी लाई जा रही है। एसडबल्यूए का ऑफिशियल फेसबुक पेज पहले ही काफी लोकप्रिय हो चुका है, जिस पर अब एसडबल्यूए इवेंट्स का फेसबुक लाईव के जरिए प्रसारण भी किया जाएगा।

## हम साथ-साथ हैं: एसडबल्यूए वैलफ़ेयर सब-कमिटी

एसोसिएशन की वैलफ़ेयर सब-कमिटी हमेशा से ही अपने सदस्यों की मेडिकल एमरजेंसी और उच्च शिक्षा की ज़रूरतों के समय में साथ देने के लिए जानी जाती है। 2018 के चुनाव के बाद बनी नई कमिटी भी इस अच्छे काम के सिलसिले को जारी रख रही है। एक बड़ी ख़बर यह है कि इसी ने कमिटी को अब मेडिकल एमरजेंसी की हालत में अधिकतम 75,000/- रुपए जारी करने का अधिकार दे दिया है, जबकि पहले यह राशि 50,000/- रुपए हुआ करती थी। इसके साथ ही कमिटी द्वारा एक नई योजना भी शुरू की गई है जिसका नाम है 'एडॉप्ट अ पेशेंट' जिसके तहत संपन्न एवं सफल सदस्यों को, जिस तरह भी संभव हो सके, ज़रूरतमंद सदस्यों की मेडिकल ज़रूरतें पूरी करने में सहयोग देने के लिए निमंत्रित किया जाएगा। इसके लिए नियमित दवाओं/इलाज/सर्जरी आदि के खर्च या वरिष्ठ सदस्यों की नियमित स्वास्थ्य जांच के खर्च के लिए सहयोग दिया जा सकता है।

इसके अलावा 2019 में कई और कार्यक्रम करवाने की योजना है, जैसे: स्वास्थ्य जांच कैंप, योग कैंप और विशेषज्ञों द्वारा मानसिक स्वास्थ्य के बारे में सामान्य ज्ञान और मार्गदर्शन देने वाले लैक्चर इत्यादि।

कमिटी के लिए 2018 एक अच्छा साल रहा है और हम 2019 को अपने सभी सदस्यों की सेहत और भलाई के नज़रिए से और भी बेहतर बनाने का वचन देते हैं।

हम अपने ज़रूरतमंद सदस्यों को मेडिकल सहायता और पेंशन ही नहीं देते, बल्कि हम उनके बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान करते हैं।

जल्द ही, हम स्क्रीनराइटिंग की ट्रेनिंग के लिए स्कॉलशिप की घोषणा भी करने वाले हैं।

- सत्यम त्रिपाठी,  
चेयरपर्सन, वैलफ़ेयर सब-कमिटी





## डिसप्यूट सैटलमेंट कमिटी: एसडबल्यूए की बड़ी ताकत

जब भी कोई एसडबल्यूए सदस्य किसी शिकायत के साथ एसडबल्यूए की डीएससी कमिटी के पास आया है, हमने तत्परता के साथ न्याय के प्रति अपनी वचनबद्धता निभाई है। डीएससी का नज़रिया शिकायतकर्ता और प्रतिवादी में कोई भेदभाव किए बिना निष्पक्ष, दृढ़ एवं न्यायसंगत रहा है। जब एसडबल्यूए के अपने सदस्य दोषी पाए गए हैं तो कमिटी ने उनके खिलाफ़ फैसले सुनाये हैं

जबकि दूसरी तरफ़ फिल्म एवं टीवी इंडस्ट्री के कई बड़े नामों के खिलाफ़ भी फैसले सुनाए गए हैं और निडरता से उन पर अमल किया गया है।

इतिहास भी डीएससी के कठोर प्रोटोकॉल की मिसाल बाखूबी पेश करता है। जब कई बार बाद में मामले अदालत में भी गए हैं तो इस प्रोटोकॉल पर अदालतें भी भरोसा करती रही हैं।



## अपनी स्क्रिप्ट की सुरक्षा के लिए अपनाएं 6 सूत्र

- अपने काम के सभी ड्राफ्ट, पेशेवर रूप से किसी को देने/भेजने से पहले हर बार रजिस्टर करवाएं।
- रजिस्ट्रेशन के लिए एसडबल्यूए वेबसाइट की ऑनलाइन सुविधा को प्राथमिकता दें। रजिस्टर की गई सॉफ़्ट कॉपी ई-मेल करना आसान होता है।
- जब भी सॉफ़्ट कॉपी ई-मेल करें तो उसके साथ लिखें कि आपने वह स्क्रिप्ट/स्टोरी उनको सुनाई थी। बताए गई स्क्रिप्ट/स्टोरी की कॉपी एटैच करें।
- प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने से पहले हमेशा लिखित कॉन्ट्रैक्ट करें। बिना कॉन्ट्रैक्ट के काम ना करें।
- अगर कॉन्ट्रैक्ट प्रोड्यूसर/प्रॉडक्शन हाऊस ने बना कर दिया है तो उस पर कानूनी सलाह लिए बगैर हस्ताक्षर ना करें। अगर आप को किसी भी शर्त के बारे में कोई शंका हो तो एसडबल्यूए की लीगल ऑफिसर से मशवरा करें।
- कॉन्ट्रैक्ट की कोई भी ऐसी शर्त, जो विवाद होने की सूरत में आप को एसडबल्यूए के पास जाने से बाधित करती हो, कानूनी तौर पर निरस्त और अमान्य होती है।

### आईए, हमसे जुड़िए!

हमें अपने सदस्यों के विचार सुन कर प्रसन्नता होती है।

इस न्यूज़लैटर के पहले संस्करण के बारे में अपनी प्रतिक्रियाएँ, अपने सवाल और सुझाव हमें इस ई-मेल पते पर भेजें -

[contact@swaindia.org](mailto:contact@swaindia.org)

### अलविदा मृणाल सेन, कादर ख़ान!

हम भारतीय सिनेमा की दो अज़ीम हस्तियों, नव-यथार्थवादी फ़िल्मकार एवं स्क्रीनराईटर श्री मृणाल सेन (14 मई 1923 – 30 दिसंबर 2018) और लोकप्रिय स्क्रीनराईटर एवं अदाकार श्री कादर ख़ान (22 अक्टूबर, 1937 – 1 जनवरी 2019) के निधन पर दिल की गहराईयों से सवंदेना व्यक्त करते हैं।

मृणाल सेन जहां भारतीय 'न्यू वेव' सिनेमा के महत्वपूर्ण हस्ताक्षर थे, जिन्होंने बंगाली और हिंदी फ़िल्मों में विलक्षण सिनेमा रचा; वहीं कादर ख़ान हिंदी कमर्शियल सिनेमा में अपने हाजिर-जवाब और असरदार संवादों के लिए जाने जाते थे। दोनों दिग्गज भले ही सिने-जगत के विपरीत ध्रुवों पर खड़े नज़र आते हों, दोनों के ही देहांत पर हम गहरा शोक और अपूर्णीय क्षति महसूस कर रहे हैं।

हम परमेश्वर से उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हैं!